Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to introduce air-conditioned local trains on the Central Railway.

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे (कल्याण) : अध्यक्ष महोदया, सबसे पहले मैं रेल मंत्री जी को बधाई देता हूं कि हाल ही में भारत की पहली एसी लोकल ट्रेन का शुभारम्भ उपनगरी मुम्बई के वेस्टर्न रेलवे में हुआ है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : उस मामले में दोनों मुख्यमंत्री आपस में बात करें।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठ जाएं। यह हमारा विऐाय नहीं है।

...(व्यवधान)

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे: यह हमारे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसके लिए मैं माननीय रेल मंत्री श्री पीयूऐा गोयल को और पूर्व रेल मंत्री सुरेश प्रभु जी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इसके साथ-साथ मैं मध्य रेलवे के यात्रियों की शिकायतों की तरफ मंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहता हूं।...(व्यवधान) यह देखा जाता है कि उपनगरीय रेल में कोई भी सुधार का कार्य हो, वह सबसे पहले वेस्टर्न रेलवे में किया जाता है और वह सुधार सैंट्रल रेलवे तक आते-आते बहुत समय निकल जाता है। आज मध्य रेलवे में करीब पचास हजार से ज्यादा यात्री रोजाना यात्रा करते हैं। मध्य रेल की सालाना आमदनी 1200 करोड़ रुपये से ज्यादा है और प्रतिदिन 1600 से ज्यादा गाड़ियां चलती हैं, लेकिन जब भी कोई सुधार करने की बात आती है, तो कोई न कोई तकनीकी कारण बताकर उसे टाल दिया जाता है। मैं इसी एसी लोकल ट्रेन का उदाहरण देना चाहता हूं। यह एसी लोकल ट्रेन मध्य रेलवे में शुरू करनी थी, लेकिन उसे वेस्टर्न रेलवे में शुरू किया गया है। एमयूटी2 के तहत मध्य रेल को 72 बम्बारडियर लोकल गाड़ियां मिलने वाली थीं, लेकिन आकस्मात् वेस्टर्न रेलवे को दे दी गईं और उसके बदले वेस्टर्न रेलवे की सैकेंड हैंड सीमेंस लोकल गाड़ियां मध्य रेलवे के यात्रियों पर थोपी गईं। इसकी वजह से मध्य रेलवे के यात्रियों में बहुत ज्यादा गुस्सा है। मध्य रेलवे दावा करती है कि 90 प्रतिशत उपनगरीय गाड़ियां समय से चलती हैं, लेकिन कैग की रिपोर्ट और कोचिंग ओपरेशन इनफोर्मेशन सिस्टम के अनुसार यह आंकड़ा 46 प्रतिशत है। डीसी से एसी कंवर्जन का काम भी मध्य रेलवे से पहले पश्चिम रेलवे में किया गया, हालांकि पश्चिम रेलवे के मुकाबले मध्य रेलवे में यात्रियों की संख्या भी ज्यादा है और मध्य रेलवे का नेटवर्क भी काफी ज्यादा है। इसके बावजूद भी लगातार मध्य रेलवे के साथ सौतेला व्यवहार किया जाता है, जिसके चलते यात्रियों के मन में काफी गुस्सा और निराशा है। दोनों जगहों पर टिकट के रेट भी सामान हैं, लेकिन हमेशा वेस्टर्न रेलवे को प्राथमिकता दी जाती है। पूर्व रेल मंत्री सुरेश प्रभु जी ने सांसदों से अपील की थी कि वे रेलवे स्टेशनों पर सुविधा के लिए जैसे शौचालय आदि हैं, उनके लिए एमपी लैड से फंड दें। मुझे एमपी लैड से पैसा दिए दो साल हो चुके हैं, लेकिन कोई भी काम रेलवे की तरफ से नहीं किया गया है।

मेरा मंत्री जी से अनुरोध है कि मध्य रेलवे के साथ जो सौतेला व्यवहार होता है, वह नहीं होना चाहिए और मध्य रेलवे में भी एसी लोकल शुरू होनी चाहिए और अच्छी बम्बारडियर लोकल ट्रेनें भी मध्य रेलवे में लाई जाए, जिससे कि ज्यादा से ज्यादा यात्री मध्य रेलवे में सफर कर सकें।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

कुंवर पुऐपेद्र सिंह चन्देल,

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे और

श्री राहुल शेवाले को डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे द्वारा उठाए गए विऐाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।